International Journal of Engineering Technology and Applied Science

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 4 April 2023

सार्वजनिक कम्पनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के व्ययों का अध्ययन

गगन कुमार बरखानिया[1] एवं डॉ. पुष्पलता चौकसे[2]

[1]सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य),शासकीय पंच व्हेली स्नातकोत्तर महाविद्यालय, परासिया

[2]प्राचार्य, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

सारांशः–

प्रस्तुत शोध पत्र "सार्वजनिक कम्पनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के व्ययों का अध्ययन" में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के व्ययों का अध्ययन किया गया है। शोध पत्र में द्वितीयक समंकों का उपयोग नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के वार्षिक प्रतिवेदन से लिया गया है। शोध पत्र नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के माध्यम से किया जाने वाले खर्चो को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र पूरी तरह से सहायक समंको पर आधारित है। शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के प्रयुक्त माल की लागत की जानकारी प्राप्त करना तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के परिचालन लाभ की जानकारी प्राप्त करना। विश्लेषण से ज्ञात हुआ है अध्ययन अवधि में सर्वाधिक कमी अनुपात विश्लेषण के दौरान वर्ष 2013–14 में दिखाई देती है तथा परिचालन लाभ अनुपात सर्वाधिक वृद्धि अनुपात विश्लेषण क दौरान वर्ष 2020–21 में दिखाई देती है।

शब्द संकेत : नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, व्यय, लाभ

प्रस्तावना

सरकार द्वारा चलाई जा रही कम्पनियों को सार्वजनिक कम्पनी कहा जाता है। ऐसी कम्पनियाँ जिनका स्वामित्व पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या संयुक्त रूप से केन्द्र और राज्य सरकार के पास होता है उन्हें सार्वजनिक कम्पनी कहते हैं। मुगल साम्राज्य के अंत और ब्रिटिश शासन के स्थापित होने की अवधि में सार्वजनिक उपक्रम के विकास का अध्ययन करना कठिन है फिर भी ब्रिटिश शासन के समय में 1830 से सार्वजनिक कम्पनियों का विकास माना जा सकता है।

1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश में स्वदेशी सरकार की स्थापना हुई। इस समय सरकार के सम्मुख कई समस्याएँ जटिलतम स्वरूप में उपस्थित थी, इन्ही समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या थी, देश का औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा होना। इस औद्योगिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिये सरकार ने औद्योगिक नीतियों के माध्यम से निरंतर विकास के प्रयास किये। सरकार द्वारा सार्वजनिक उद्योगों के विकास के लिए किये गये प्रयासों से ही जहाँ 1951 में कार्यरत सार्वजनिक उद्योगों की संख्या 05 विनियोजित राशि रूपये 29 करोड़ थी, जो बढ़कर 2020 में 256 उद्योग एवं विनियोजित राशि रूपये 21,58,877 करोड़ हो गई है।

नेशनल फार्टिलाइजर्स लिमिटेड

नेशनल फर्टिलाइजर्स एक मिनी रत्न श्रेणी–1 कंपनी है। इसका निगमन 23 अगस्त 1974 को हुआ था। इसका पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है और कॉर्पोरेट कार्यालय नोएडा में स्थित है। इसकी अधिकृत पूँजी 1000 करोड़ रूपये और चुकता पूँजी 490.58 करोड़ रूपये है जिससे भारत सरकार का हिस्सा 74.71% और 25.29% हिस्सा वित्तीय संस्थाओं एवं अन्य भागीदारों के पास है। कम्पनी का मुख्य व्यवसाय यूरिया का उत्पादन एवं विपणन करना है। कम्पनी द्वारा यूरिया के अतिरिक्त विदेशों से आयतित उर्वरक, स्वदेशी उर्वरक एवं कृषि दवाईयों का भी विपणन किया जाता है।

पूर्ववर्ती शोध साहित्य का अध्ययन

प्रदीप कुमार सुराना (1997) ने अपने शोध "नशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड में कर्मचारी प्रबंध का मूल्यांकन विजयपुर इकाई जिला गुना के विशेष सन्दर्भ में" बताया है की नेशनल फर्टिलाइजर्स

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 4 April 2023

लिमिटेड के प्रबन्धन कर्मचारियों को कार्य करने के लिये उचित वातावरण प्रदान करने में कितना सफल हुआ है। कर्मचारी अपने वेतन, कार्यदशायें, आधिकार एवं उत्तरदायित्व से संतुष्ट हैं, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा कर्मचारियों एवं आधिकारियों को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सुविधा, यातायात, एवं यात्रा बिल भुगतान नीति से संतुष्ट है का अध्ययन कर निष्कर्ष प्रस्तुत किये है।

पाठक ए. (2015) ने अपने शोध विषय A comparative study of marketing strategies of selected Fertilizer companies in Chhattisgarh State में शोधार्थी द्वारा निजी, सार्वजनिक एवं सहकारी क्षेत्र की कम्पनियों का चयन कर अध्ययन किया है। शोधार्थी द्वारा इफको, आर.सी.एफ. और सीएफसीएल, की विपणन रणनीति का अध्ययन कर निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये है। शोध कार्य के लिये प्राथमिक समको का संग्रहण किया गया है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

शोध कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिये स्पष्ट उद्देश्यो का होना और पूर्ण क्षमता के साथ प्रयास करना नितांत आवश्यक है। शोध के उद्देश्य निम्नलिखित है :–

- नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के प्रयुक्त माल की लागत की जानकारी प्राप्त करना।
- नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के परिचालन लाभ की जानकारी प्राप्त करना।

अध्ययन का क्षेत्र एवं अवधि

शोध विषय का क्षेत्र सार्वजनिक कम्पनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड है। शोध की अवधि पिछले 10 वर्षों (2011–2012 से 2020–2021 तक) के व्ययों का विश्लेषण किया गया है।

शोध समको के संकलन

शोध कार्य के लिये द्वितीयक संमको का उपयोग किया गया है। द्वितीयक संमको के स्त्रोतों सरकारी प्रकाशन, राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय संस्थाओ के प्रकाशन, समितियों तथा आयोगों की रिपोर्ट, समाचार पत्र, पत्रिकाओं के साथ साथ नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड वार्षिक प्रतिवेदन की सहायता से यह शोध कार्य संपादित किया गया है।

शोध प्रविधि

शोध उद्देश्यों के अनुरुप शोध विषय को बाँधने की चेष्ठा की गई है। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के व्ययों के विश्लेषण के लिये अनुपात विश्लेषण विश्लेषण तकनीक का प्रयोग किया गया है ।

व्यय अनुपात

इस अनुपात का गहन अध्ययन करने के लिए लागत के विभिन्न तत्वों पर आधारित अलग–अलग अनुपातों की गणना की जाती है। लागत के विभिन्न तत्वों पर आधारित अनुपातों को परिचालन अनुपात के उप–अनुपातों का नाम ही व्यय अनुपात है।

प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात

विभिन्न समयावधियों पर इस अनुपात की तुलना प्रयुक्त माल के कुशलतापूर्वक उपयोग, कय–कुशलता तथा कच्चे माल की कीमतों में परिवर्तन आदि विश्लेषण में सहायक होती है। इस अनुपात की गणना निम्नलिखित सूत्र से की जाती है :–

$$\text{प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात} = \frac{\text{प्रयुक्त माल की लागत}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$$

International Journal of Engineering Technology and Applied Science

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 4 April 2023

सारणी 1.1 : परिचालन लाभ अनुपात

(रुपये करोड़ में)

वर्ष	प्रयुक्त माल की लागत (रुपये)	शुद्ध विक्रय (रुपये)	अनुपात (प्रतिशत)
2011-12	4526.29	7340.53	61.66
2012-13	4346.39	6746.73	64.42
2013-14	4358.39	8042.76	54.19
2014-15	4348.41	8553.20	50.84
2015-16	3637.59	7802.55	46.62
2016-17	3015.06	7706.50	39.12
2017-18	3399.15	8940.11	38.02
2018-19	4738.34	12245.24	38.70
2019-20	4577.13	13135.36	34.85
2020-21	3698.19	11905.66	31.06

स्रोत : नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के अंकेक्षित वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2011–12 से 2020–21 तक

आरेख 1.1 : परिचालन लाभ अनुपात

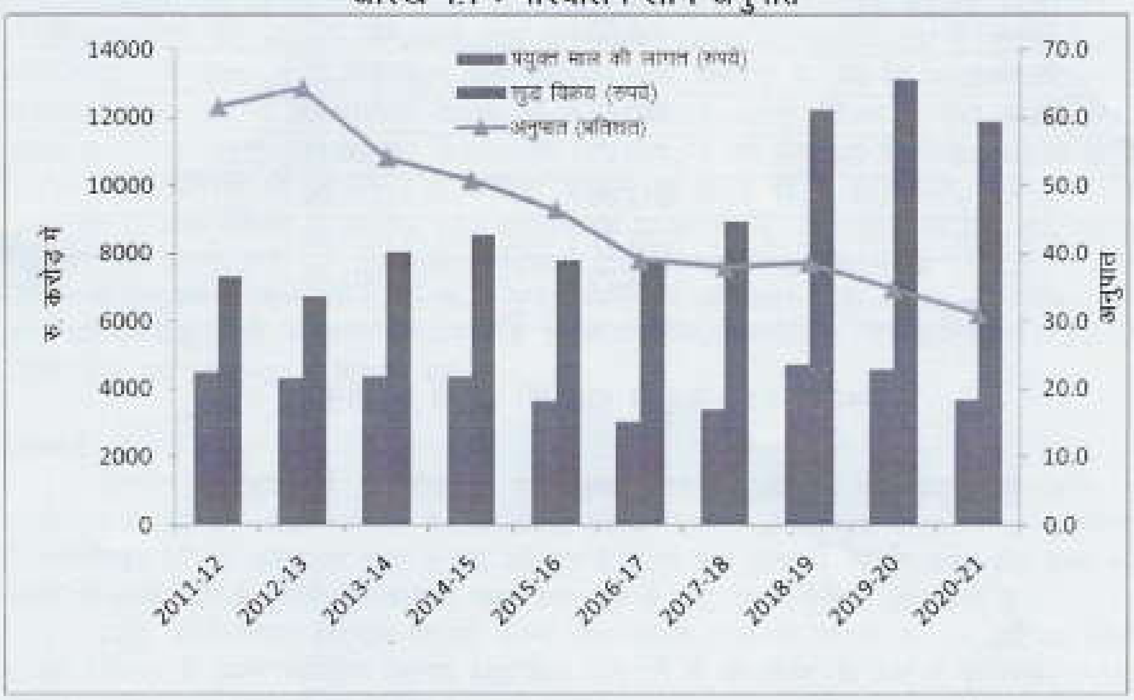

निर्वचन :–

सारणी एवं आरेख क्रमांक 1.1 में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के वर्ष 2011–12 से 2020–2021 तक की अवधि में प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात की स्थिति को दर्शाया गया है। अध्ययन अवधि के वित्तीय वर्ष 2011–12 में प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात 61.66 प्रतिशत है, जो कि बढ़कर वर्ष 2012–13 में 64.42 प्रतिशत हो गया। इसके पश्चात् इसमें निरंतर कमी हुई है और यह

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 4 April 2023

वर्ष 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–20 एवं 2020–21 में क्रमशः 54.19, 54.84, 46.62, 39.12, 38.02, 38.70, 34.85, एवं 31.06 प्रतिशत हो गया। अध्ययन अवधि में सर्वाधिक कमी अनुपात विश्लेषण के दौरान वर्ष 2013–14 में दिखाई देती है।

परिचालन लाभ अनुपात

इसे शुद्ध परिचालन आय अनुपात भी कहा जाता है। यह अनुपात शुद्ध विक्रय पर शुद्ध परिचालन लाभ की दर प्रदर्शित करता ह। सामान्य तौर पर यह अनुपात विक्रय पर प्रतिशत के रुप में निकाला जाता हैं। इस अनुपात की गणना निम्नलिखित सूत्र से की जाती है :–

$$\text{परिचालन लाभ अनुपात} = \frac{\text{शुद्ध परिचालन लाभ (ब्याज एवं कर के बाद)}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$$

सारणी 1.2 : प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात

(रुपये करोड़ में)

वर्ष	शुद्ध परिचालन लाभ (ब्याज एवं कर के बाद)	शुद्ध विक्रय (रुपये)	अनुपात (प्रतिशत)
2011-12	89.36	7340.53	1.22
2012-13	-207.35	6746.73	-3.07
2013-14	-135.00	8042.76	-1.68
2014-15	-15.83	8553.20	-0.19
2015-16	150.75	7802.55	1.93
2016-17	163.57	7706.50	2.12
2017-18	116.43	8940.11	1.30
2018-19	242.64	12245.24	1.98
2019-20	-227.51	13135.36	-1.73
2020-21	216.29	11905.66	1.82

स्रोत : नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के अंकेक्षित वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2011–12 से 2020–21 तक

आरेख 1.2 : प्रयुक्त माल की लागत का अनुपात

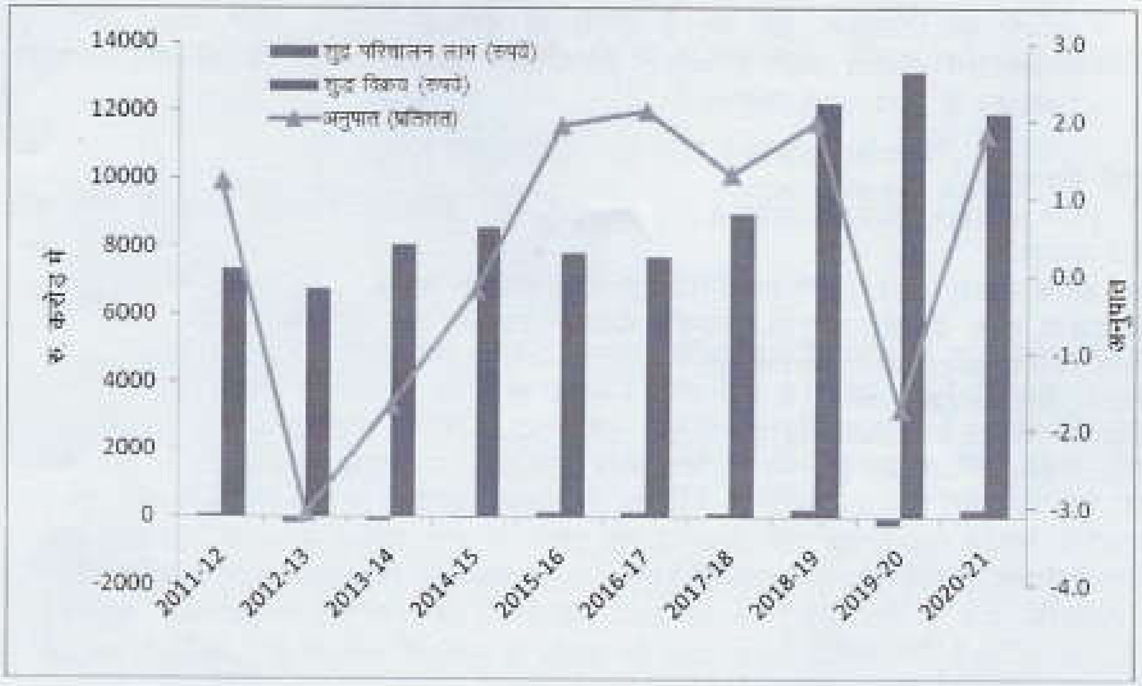

निर्वचन :–

सारणी एवं आरेख क्रमांक 1.2 में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के वर्ष 2011–12 से 2020–2021 तक की अवधि में परिचालन लाभ अनुपात की स्थिति को दर्शाया गया है। अध्ययन अवधि क वित्तीय वर्ष 2011–12 में परिचालन लाभ अनुपात 1.22 प्रतिशत है, जो कि लगातार घटकर वर्ष 2012–13 2013–14 एवं 2014–15 में कमशः –3.07, –1.68 एवं –0.19 प्रतिशत हो गया। इसके पश्चात् अगले 5 वर्षों में सकल लाभ अनुपात में धनात्मक उतार–चढ़ाव का दौर रहा है। वर्ष 2015–16 में यह अनुपात 1.93 प्रतिशत था जो कि 0.19 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2016–17 में 2.12 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2017–18 में 0.82 प्रतिशत से घटकर 1.30 प्रतिशत एवं 2018–19 में 1.98 रहा। सर्वाधिक वृद्धि अनुपात विश्लेषण के दौरान इसी वर्ष 2018–19 में दिखाई देती है। 2012–13, 2013–14 एवं 2014–15 के ऋणात्मक अनुपात के बाद वर्ष 2019–20 में पुनः कम्पनी का परिचालन लाभ अनुपात ऋणात्मक –1.73 रहा, जो वर्ष 2020–21 में वापस बढ़कर 1.82 प्रतिशत हो गया। सर्वाधिक वृद्धि अनुपात विश्लेषण के दौरान इसी वर्ष 2020–21 में दिखाई देती है।

निष्कर्ष –

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के परिचालन लाभ अनुपात में सर्वाधिक कमी/हानि वर्ष 2012–13 में रही जो –3.07 प्रतिशत है तथा सबसे अधिक लाभ वर्ष 2016–17 मे रहा जो 2.12 प्रतिशत है कंपनी का औसत परिचालन लाभ 0.370 प्रतिशत है इतने कम लाभ में निरंतर कार्य कर पाना लंबी अवधि में संभव नहीं है कंपनी को व्यय में कमी कर लाभ में वृद्धि करना नितांत आवश्यक है।

प्रयुक्त माल लागत अनुपात निष्कर्ष कंपनी द्वारा प्रयुक्त माल की लागत का 10 वर्षों का औसत 45.95 प्रतिशत है इसमें सर्वाधिक लागत प्राकृतिक गैस की है जो ईंधन के रूप में इस्तेमाल होता है कंपनी को इस ओर ध्यान देकर इसे कम करना चाहिए।

सुझाव

- कंपनी को प्राकृतिक गैस कंपनियों से लंबी अवधि के एम.ओ.यू. हस्ताक्षर कर कम कीमत पर गैस क्रय करने के प्रयास करने चाहिए।

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 4 April 2023

- कंपनी का परिचालन लाभ कम है कंपनी को हानि हो रही है कंपनी प्रत्यक्ष लगतो के साथ–साथ अप्रत्यक्ष लगते भी अधिक हैं इसे कम करना चाहिए संयंत्र को अन्य ईंधन पर उत्पादन के योग्य बनना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

डॉ. एम.डी. अग्रवाल, डॉ.पी.एन. अग्रवाल, एवं डॉ. ए.के. जैन, प्रबधकीय लेखांकन 2006–07 रमेश बुक डिपो जयपुर

शर्मा वीरेन्द्र प्रकाश, 2011, रिसर्च मेथडॉलॉजी, पंचशील प्रकाशन जयपुर

डॉ. एस.पी. गुप्ता, डॉ. के.एल. गुप्ता, प्रबधकीय लेखांकन साहित्य भवन पब्लिकेशन्स 2009

https://www.nationalfertilizers.com/

https://chemicals.gov.in/

https://www. en.wikipedia.org

https://chemicals.nic.in/